



भारत का राजपुत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 444] नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 14, 1977/आश्विन 22, 1899
No. 444] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 14, 1977/ASVINA 22, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

WEALTH-TAX

New Delhi, the 14th October 1977

SO 721(E) —In exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, namely.—

1 These rules may be called the Wealth-tax (Third Amendment) Rules, 1977

2 After rule 1A of the Wealth-tax Rules, 1957, the following rule shall be inserted, namely —

'1AA Prescribed authority for the purposes of section 5(1)(xxiv) —For the purposes of clause (xxiv) of sub-section (1) of section 5,—

(i) the Chief Controller of Imports and Exports, Ministry of Commerce, Government of India, shall be the "prescribed authority" for specifying the percentage of total production to be exported by a company for the purposes of the said clause and for certifying that the company has undertaken the export of such percentage of its total production as has been so specified;

(ii) the Controller of Capital Issues, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Government of India, shall be the "prescribed authority" for certifying that an issue of equity share capital has been made by a company after the 31st day of March, 1976, for the purposes of expansion or diversification of its industrial undertaking'

[No 2009/F.No. 143(8)/76-TPL]

S. N. SHENDE,

Secy., Central Board of Direct Taxes

(2689)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिनूचना

धन-कर

न० 14एली, 14 अक्टूबर, 1977

का० आ० 721(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 46 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धनकर नियम, 1959 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् —

1. इन नियमों का नाम धनकर (तृतीय संशोधन) नियम, 1977 है।
2. धनकर नियम, 1957 में नियम 1क के पश्चात्, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“1क क-धारा 5(1)(XXXiv) के प्रयोजनों के लिए विहित प्राधिकारी —

धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (XXXiv) के प्रयोजनों के लिए,—

- (i) मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार वह “विहित प्राधिकारी” होगा जो उक्त खण्ड के प्रयोजनों के लिए किसी कम्पनी द्वारा निर्यात के लिए किए गए कुल उत्पादन का प्रतिशत विनिर्दिष्ट करेगा और यह प्रमाणित करेगा कि कम्पनी ने अपने कुल उत्पादन के ऐसे विनिर्दिष्ट किए गए प्रतिशत का निर्यात करने के लिए वचन-बन्ध कर लिया है,
- (ii) निरंतरक, पूजा निर्गम, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार वह “विहित प्राधिकारी” होगा, जो किसी कम्पनी द्वारा अपने औद्योगिक उपक्रमों के विस्तार या विविधकरण के प्रयोजनों के लिए 1976 के मार्च के 31वें दिन के पश्चात् उस कम्पनी, द्वारा निर्गमित साधारण शेयर पूजा को प्रमाणित करेगा।”।

[सं० 2009 /फा०स० 143(8) '76-टी पी एल]

एस० एन० शेण्डे,

सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977